കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം
തിയ്യതി 16/01/26
64-ാമത് ★ പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി ★

Item Code: 948 Participant Code: 036

भारत में विदेशी विश्वविद्यालय

इक्कीस्वी सदी में रहने वाले हमारे सबंधित, तकनीक एवं प्रौद्योगिकी के सहारे भविश्य की माथे में चूमने जैसे है। कालचक्र के साथ-साथ ही विश्व सम्राट अत्यंत बदलावों गुजर चुके है। कृत्रिम बुद्दिमता, तकनीक आदि के बल से जिंदगी की सारी पहलुओं प्रगति के उज्जवल परिषकृती से प्रशोभित है। परिवहन, शिक्षा, स्वास्थ्य, राजनीतिक, आर्थिक एवं व्यवसाय की हर एक क्षेत्र सशक्त एवं सुविधाजनक है। शिक्षा क्षेत्र के क्रांति के अवलोकन में यह बात स्पष्ट है कि विकसित राष्ट्रों के साथ कंदे मिलाने सम सुविधाए भारत जैसे विकस्वर राष्ट्र में भी साधारण है।

बदलाव एवं प्रगति के इस युग में शिक्षा क्षेत्र निज अत्यंत परिषकृति दिखाए जा सकते है। स्वतंत्र भारत सबसे बड़ी परिगणना निस्सश्य शिक्षा क्षेत्र में ही दिखाए गये है। स्वास्थ्य, कला, ससंकृति, तकनीक आदी हर स्तर में उच्च शिक्षा भारतीप करस्त किये गये है। "सबको शिक्षा" नारे को अलकृंत करने

समान उसे पर चरम लक्ष्य बनाकर राजनितिज्ञ, एवं राष्ट्रनेता राष्ट्र की विकास के लिए मेहनत करते है। और उसके परिमाणजैसे भारतीप विद्यालपों में सबसे उन्नत एवं सशक्त प्रशिक्षण हासील कर सकते है। ऐसे २ विश्व विद्यालप के क्षेत्रों में सबसे प्रसिद्ध एवं नवीन चालीसा है विदेशी विश्वविद्यालय स्तापित करने का आपोजन।

सबसे बेहतरीन एवं उन्नत प्रशिक्षण की नवीन एवं क्रांतिकारी पहलु होने दायक इस चरम मकसद की कामयाबी, भारत के समाजेक, सार्वजनिक, प्रौद्योगिक स्तरों में सुफलता प्रापत करने मे उत्तेजक रहेगा। पश्चात्य राष्ट्रों और भारतिप विद्रपभ्यास में बड़ा अंतर प्रस्तुत है। विदेश राष्ट्रों में निरंतर निजी अवलोकन एवं विद्यार्तीयो का उनके सकरात्मक भावात्मक, विचारात्मक क्षमताओं की परिपालन और सशात्कीरण मान्य रखता है। वहा चात्र-केंद्रीत शिक्षण को मजबूत करने में वे ज्यादा चयन रखते है लेकिन भारतीप शिक्षण ज्यादातर किसी रेखारिखित पैमाने के अनुशासन प्रथा किताबी शिक्षण को ज्यादा महतव देते है।

64-ാമത് കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം തിയ്യതി............ പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി

ऐसे में उनके और हमारे निर्णय एवं हित बोमिशाल होते है। विदेशी शिक्षण संप्रदिकयता, जटीलता में सटीकता एवं सरलता के ऊपर उभर है।
उदाहरण में उनके स्वास्थ्य शास्त्र दस साल की इकलौता कार्यक्रम है लेकिन भारत में उसे फिर से विभाजित करकर, अलग-अलग कर दिया है, ऐसे कई बिरुद प्रस्तुत है। ऐसे में विदेशी विश्वविद्यालय के प्रभाव उल्लेखनिय एवं प्रशंसानियक है।
विदेशी विद्यभ्यास नयों का परिचित कराकर सरकर द्वारा समर्पित विदेशी विश्वविद्यालय, तकनीक, गवेश प्रौद्योगिक आदि क्षेत्रों में फललायक एवं फलभूयिष्ठ है। हमारे राष्ट्र की सर्व विकास रूपी चरम मकस्द को साकार करने में ऐसे विद्यालयों से बाहर आने वाले युवक सशक्त बन सकते है और राष्ट्र की सामाजिक, आर्थिक मंडलों में एक बहुआयामी दृष्टीकोण के सहारे प्रगति एवं क्रांति की चमक उठा सकती है।
राष्ट्र की औसत उत्पन्नी में भी, इसका प्रभाव युक्त है। शख्सो को सकरात्मक, प्रतिभात्मक तड़ो में बदलाव की लहर लाने में विदेश विद्यभ्यास

काबिल हो सकता है।
आज देखी जानेवाली एक उग्र समस्या है, विद्यार्थियों का उन्नत शिक्षण के लिए अपरिजित राष्ट्रों में प्रवेश करना। ऐसे में राष्ट्र का अतंत नष्ट हो सकता है। हालाँकि भारत में सशक्त केंद्रीय विश्वविद्यालय जैसे ऐ.ऐ.टी, एन.ऐ.टी, ऐ.ऐ.एम, एईएस आदि के उपसाधित होने के भावजूद शख्सों का, युवकों को विदेशी विश्वविद्यालय प्रति कुछ काशा एवं अनुरक्ती है। इसीलिए ही कठोर कोशिश और ठोस प्रयास से वे ऐवी लीग, यूरोप की प्रशस्त विश्व विद्यालय, अमेरिकी विश्वविद्यालय आदि जगहों के प्रवेश के लिए मेहनती एवं खर्चीला होते हैं। इसका कारणों में अनलईन विवक्षा है। मशहूर विश्वविद्यालयों के प्रति जानकारियों एवं प्रवेश पत्रिका सर्वसाधारण रूप से मिलते हैं। उ इस प्रौद्योगिक प्रशस्ती से अपने योगदान, भारतीय विद्यार्तियाँ साकार करते हैं।
इक्किस्वी सदी के प्रारंभ मे "अमरिकी सपना" नारे से अनुप्रयोग से क दुनिया की कौन कौन से विद्यार्थियाँ अमरिकी शिक्षण से आकर्षित,

(Note: This page will be scanned to publish the article in schoolwiki. So, Write neatly. Don't fold paper. Don't write overleaf).

अमरिकी विश्वविद्यालयों में अपने उपस्थिति निर्णय किये थे। फ़ोसे कोन-कोन से मानव ससाधन रूपी युवको का वो भी माहिर एंव सक्षम युवक की निवास से अमेरिका की ओस्त प्रोफिट में वृद्धी अनुभव किया ता और उनके कलाकौशल, ससकृति, प्रौद्योगिक, वैज्ञानिक, समाजिक, वणिज्यिक, स्वास्थ्य स्तरों में वृद्धी सद प्रभाव प्रस्तावित था फ़ोसे में विदेशी विश्वविद्यालयो का अवतरण से क्रात्रिम बुद्धिमतात्मक वैज्ञानिक, भहिरव्योमिक, सेनात्मिक स्तरो में वृद्धी और सक्षमता प्राप्त हो सकती है। और राष्ट्र को समाजिक पाबदियो की कालकठोरी से आजाद करकर उन्नति की नई ललट में चूम सकते है। देश की विकास में युवजनो की भागीदारी में बरासो रख सकते है।

इससे हमें हमारी मानविक ससधनाओं की सही उपयोग तथा सहयोग कर सकते है

विदेशी विश्वाविद्यालयो का अवतरण शिक्षण स्तर की आगोलवत्करण रूप से विवक्ष कर सकते है। नवीन माध्यमो द्वारा विद्यार्थियो को अपने क्षमताओ को पहचानकर, अपनी पहचान सृजन

Item Code: 948 Participant Code: 036

करने कि स्रोत एंव प्रशिक्षण की खनी रूप में
एसे निर्णयों को चित्रित कर सकते हैं। एसे
केंद्रो की स्तापित होने पर साधारण जनता भी
नवीन आशयो ओर अवसरो से सुपरीचित हो सकते
है, और उन्नत शिक्षण की लायक हो सकते है।
कई सक्षम विद्यार्थियों परिवहन संबांधीत समस्याओं
कारण एव विसा न मिलने से एसे अवसरों से
पाबंद है। एसे में विदेशी विश्वविद्यालय एतिहासिक
एंव शिक्षण की क्षेत्र मे मीलपत्थर रूप में परिणाम
होता है।
लेकिन किसी सिक्के के दो पहलु जैसे एसे नवीन
आशय के साकार होने से सकरात्मक परिणाम के
साथ ही नकरात्मक तल मे भी इसका उसका अनुभव
किया जा सकती है। द्विसिरवाली तलवार जैसे एसे
विश्वविद्यालयो के अवतरण के साथ भारतीय
विश्वविद्यालयों मे दुषपरिणाम हो सकता है।
इस हित को हम इनकार नहीं कर सकते।
पौरस्त्य शिक्षण की क्षेत्र मे कई ज्यादा बदलाव
उत्पन्न हो सकते है। भारतीय ससकृति के
ऊपर भी विदेशी उपनिवेश हो सकता है।

64th കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം
തിരുത്തി..................
★ പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി ★

भारत की निजी रूढी को काम तमाम हो सकते हैं और ससक्रीति मे आगोलवत्करण सृजन हो सकता है। हमारे विविधता जिसमे भारतीय गर्व रकते है, कई नवीन प्रगति के कारण नष्ट हो सकता है। भाषा रूपी, वेष रूपी, भोज रूपी कई विविधता हमारे देश में प्रस्तुत है लेकिन ऐसे अवसर मे पश्चात्य ससकृति की उपनिवेश मे अतिरक्त वृद्धी कायम हो सकता है। इससे ससकृति के नष्ट के साथ-साथ नैतिक विफलता भी सृष्टित हो सकता है। भारतीय मूल्यों के ऊपर चुती हो सकता है और धर्म की अनुशासन में विकटता हो सकती है। इसके साथ युव पीढ़ी द्वारा भारतीय विद्यालय अवगणना महसूस कर सकते है। निकट भविश्य मे पाश्चिम के सम्राट और विश्व उपनिवेश मे तक यह परिणाम हो सकता है इसीलिए विदेशी विश्व विद्यालय स्तापित होने प्रति सरकार द्वारा एक बहुआयामी दृष्टिकोण बनाया रखना आनिवार्य है। ऐसे विशेविद्यालय द्वारा होने वाली समाजिक परिणाम, नैतिक विशेलेषण करना चाहिए। रूढीग्रस्त शिक्षण विचारधारो मे क्रांतिकारी प्रभाव

उभरने के सात-सात ऐसे नवीन अवतरणों सक्त पारदर्शिता तथा चौकासती लागु रकना है। दीर्घकालिक परिणाम और समाजिक, मानसिक, आर्थिक मड़लो मे स्पष्ठ प्रभाव. ~~सानामिक्ष~~ राजनीतिज्ञ तथा विचारो द्वारा पारदर्शिता अनिवार्य है। रोज़गर अवसरों की विकास एव नई ध्वारो की खिड़कियो को खोलना सरकारी जावबदेही है। विद्यालयो के साथ ही ~~निम्न~~ रोज़कर क्षेत्र की सशक्तीकरण अनिवार्य है।

ऐसे में रूढिग्रस्त पाँबदियो की आलोचक करते नई विस्तृत दुनिया की ओर हर चरण आगे होने के लिए युवपीड़ियो सक्षम बनाने के साथ ही छिपी हुई पाँखड़ की तिरस्कार करना मूर्खता है। विदेशी विश्वविद्यालय भारत में स्तापित होना, राष्ट्र की सपूर्ण ~~क~~ विकास रूपी सपने को साकर करने के लिए एक कदम रूप मे समर्पण करके भारत को सशक्तिकरण करना हर नागरिक का उत्तरदायत्व है। "शिक्षण" को शब्द को नए अर्थ देने मे और ज्यादा सशक्त परतु सक्षम बनाने मे इस आयोजन लायक पड़, इसे निर्णय

करने में सरकार द्वारा प्रयोगित कार्यवाईयाँ की प्रभाव उल्लेखनीय है।

नवीन आशय, पुरोगमन की इंधन है। दुनिया की विकास में नवीन आशयों की भूमिका महत्वपूर्ण है। कोसे नवीन आशयो की शक्ति से दुनिया मे कई बदलाव उत्पन्न हो सकता है, उनके सकारात्मक एवं सक्षय उपयोग और सहयोग से। इसीलिए शिक्षण की स्तर को निकट भविश्य से बाँधने वाली शक्ति के रूप में विदेशी विद्यालयों परिणाम होने के लिए सबका हाथ जोड़ना अनिवार्य है। प्रगति की इस ससार मे जहा नवीन आशय की बीज बोते है, यह विषय अतंत प्रासंगिक एवं विशेष चर्चा लायक है।